

September Month PortionsPortions

पाठ - एक कुत्ता और एक मैना

पत्र - लेखन - Pg - 213

कॉलोनी की सफाई की व्यवस्था करने के लिए
स्वास्थ्य अधिकारी का पत्र

विज्ञापन लेखन Pg - 228 (1,2)

पाठ - एक कुत्ता और एक मैना

I मौखिक प्रश्नोत्तर:

क) शान्तिनिकेतन में बहुत भीड़भाड़ थी और गुरुदेव भीड़भाड़ से दूर रहना चाहते थे। इसलिये उनके मन में शान्तिनिकेतन छोड़ने का विचार आया।

ख) "दर्शनार्थी हैं" क्या कहने से उनके परिहास करने की आदत का पता चलता है।

ग) "देखा तुमने ये आ गये" - ये शब्द गुरुदेव ने अपने कुत्ते के लिए कहे।

घ. कुत्तों के बाड़े में लिखी कविता पढ़कर लेश्वर के सामने श्री निकेतन की वह दृष्टि प्रत्यक्ष हो जाती है जिसमें कुत्ता बिना स्थान जाने ही मील दूर अपने स्नेहदाता अर्थात् गुरुदेव के पास पहुँच जाता है। पशु भी बहुत संवेदनशील होते हैं।
 इ) मैना कभी करुण भी हो सकती है, लेश्वर को यह विश्वास नहीं था।

II लिखित प्रश्नोत्तर :

क) गुरुदेव शांतिनिकेतन की ब्रीडब्रीड से दूर श्री निकेतन पहुँचते हैं। उनका कुत्ता भी हो मील का रास्ता तय करके उनके पास पहुँच जाता है। उसे न तो किसी ने रास्ता बताया था और न ही उसे मान्यता थी कि उसपर स्नेह करनेवाले गुरुदेव यहाँ हैं।

ख) कुत्तों के विषय में आश्चर्यजनक प्रसंग था - जब गुरुदेव की चिताअंशुम कोलकाता से आश्रम में लौट गई, समय न जाने किस सहजबोध के बल पर वह कुत्ता

आश्रम के द्वार तक आया। कलश के पास चुपचाप बैठा रहा और आश्रमवासियों के साथ चुपचाप भस्म को अंतिम विदा देने भी गया।

ग) कविवर रवीन्द्रनाथ टागोर लिखी कविता का भाव था कि प्रतिदिन यह भक्त कुला तक तक उनके आसन के पास बैठा रहता है जब तक वे अपने हाथों के संपर्क से उसका साथ स्वीकार नहीं कर लेते।

घ) मैना दंपती नियमित रूप से प्रतिवर्ष वहाँ घासला बनाते थे। लिनके और चिथड़ी का ढेर लगा देते। एक-एक सामान लेकर वे प्रेक्षा कलश करते कि घर गूँज उठता।

इ) पत्नी - ये लोग यहाँ कैसे आ गए?

पति - आ गए हैं तो इन्हें भी यहाँ रहने दो।

पत्नी - इन्हें हमारे प्राइवेट घर में नहीं आना चाहिए था।

पति - अब आ ही गए हैं तो रहने दो ना।

सही विकल्प चुनकर लिखिए:

क) अस्तगामी सूर्य को देखते हुए

ख) उनके द्वारा द्रव्य से स्पर्श किए जाने तक

भाषा ज्ञान

1. अपसर्ग और मूलशब्द:

क) स + परिवार ख) प्र + वास ग) प्राति + दिन

घ) प्र + चालित ड) सर्व + व्यापक च) आ + क्रमण

2. ख) शांतिशाली, वलशाली, प्रभावशाली

ग) महिमामय, गरिमामय, श्रवमय

घ) समझदार, देनदार, लौनदार

3. क) अधिक + अंश ख) सह + अनुष्ठात

ग) सत् + उपयोग घ) दर्शन + अर्थी

ड) सदा + प्रव

4. क) कहाँ ख) शांति ग) असंभव

घ) कहाँ ड) अधिकांश च) पहुँचना

छ) लँगड़ी ज) आनंद

- 5) क) पर ख) के ग) सौ, का घ) को, नै
6) क) दर्शनार्थी ख) सर्वज्ञ ग) महाकवि
घ) तिमोर्जित इ) असंभव च) नियमित